Objective Question

51 43001 पिंगल सैली रै काव्य में किण रस री प्रधानता रैयी

1. हास्य
2. वात्सल्य
3. भगती
4. करुण

पिंगल सैली रै काव्य में किण रस री प्रधानता रैयी

1. हास्य
2. वात्सल्य
3. भगती
4. करुण

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

52 43002 मुड़िया लिपि नै सगळां सूं बेसी काम मांय लेवणियां हा

1. चारण
2. भाट
3. महाजन
4. बिरामण

मुड़िया लिपि नै सगळां सूं बेसी काम मांय लेवणियां हा

1. चारण
2. भाट
3. महाजन
4. बिरामण

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

53 43003

राजस्थानी भासा सूं किण सदी पछै गुजराती भासा अळगी हुयी

1. 12 वीं सदी पछै
2. 13 वीं सदी पछै
3. 15 वीं सदी पछै
4. 18 वीं सदी पछै

राजस्थानी भासा सूं किण सदी पछै गुजराती भासा अळगी हुयी

1. 12 वीं सदी पछै
2. 13 वीं सदी पछै
3. 15 वीं सदी पछै
4. 18 वीं सदी पछै

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

54 43004

वि.सं. 835 में रच्योड़ै प्राकृत भासा रै कथा ग्रंथ 'कुवलयमालाकहा' मांय अठारह देसी भासावां में पैलीबार 'राजस्थानी भासा' री गिणती करीजी है

1. मारवाड़ी रै रूप में
2. डिंगल रै रूप में
3. मरुभासा रै रूप में
4. पिंगल रै रूप में

वि.सं. 835 में रच्योड़ै प्राकृत भासा रै कथा ग्रंथ 'कुवलयमालाकहा' मांय अठारह देसी भासावां में पैलीबार 'राजस्थानी भासा' री गिणती करीजी है

1. मारवाड़ी रै रूप में
2. डिंगल रै रूप में
3. मरुभासा रै रूप में
4. पिंगल रै रूप में

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

55 43005

कुणसौ सबद 'ऊंट' रौ परयायवाची नीं है

1. पाकेट
2. डगरौ
3. केकांण
4. करहौ

कुणसौ सबद 'ऊंट' रौ परयायवाची नीं है

1. पाकेट
2. डगरौ
3. केकांण
4. करहौ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56 43006

"रामअवतार खेत सूं आयौ है।" इण वाक्य में कुणसौ कारक है

1. अपादान
2. करण
3. अधिकरण
4. संप्रदान

"रामअवतार खेत सूं आयौ है।" इण वाक्य में कुणसौ कारक है

1. अपादान
2. करण
3. अधिकरण
4. संप्रदान

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57 43007

राजस्थानी व्याकरण रै मुजब 'वचन' सबद सूं किणरौ बोध हुवै

1. कथन
2. कौल
3. संख्या
4. प्रण

राजस्थानी व्याकरण रै मुजब 'वचन' सबद सूं किणरौ बोध हुवै

1. कथन
2. कौल
3. संख्या
4. प्रण

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

58	43008	

राजस्थानी भासा मांय ध्वनियां रा भेद मान्या जावै

1. 2
2. 4
3. 6
4. 8

राजस्थानी भासा मांय ध्वनियां रा भेद मान्या जावै

1. 2
2. 4
3. 6
4. 8

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

59	43009	

'अकल री वात' में राजा अरिमर्दन रौ प्रधान हो

1. विजैपाळ
2. आणंद सेन
3. सुजाण साह
4. सांवळसाह

'अकल री वात' में राजा अरिमर्दन रौ प्रधान हो

1. विजैपाळ
2. आणंद सेन
3. सुजाण साह
4. सांवळसाह

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

60 43010

जैन मंदिरां रै मांय रात रै समै ताळियां बजा अर ताल देई नै जकी रचना गाई जावै उण रौ नाम है

1. वेलि
2. बारहमासा
3. चरित
4. रास

जैन मंदिरां रै मांय रात रै समै ताळियां बजा अर ताल देई नै जकी रचना गाई जावै उण रौ नाम है

1. वेलि
2. बारहमासा
3. चरित
4. रास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

61 43011

'जगदेव पंवार री वात' में जगदेव पंवार, राजा सिधराव जैसिंघ री जाड़ैची राणी री रिच्छा खातर कुणनै हराय तहखानै में बंद कर दियौ

1. लालकंवर
2. काळौ भैरु
3. कंकाळी
4. कंवर बीज

'जगदेव पंवार री वात' में जगदेव पंवार, राजा सिधराव जैसिंघ री जाड़ैची राणी री रिच्छा खातर कुणनै हराय तहखानै में बंद कर दियौ

1. लालकंवर
2. काळौ भैरु
3. कंकाळी
4. कंवर बीज

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 43012

राजस्थानी साहित्य रै प्रारंभिक काल रौ प्राचीन डिंगलकाळ नामकरण कुण करियौ

1. गजराज ओझा
2. हीरालाल माहेश्वरी
3. एल.पी.टैस्सीटोरी
4. नरोत्तम स्वामी

राजस्थानी साहित्य रै प्रारंभिक काल रौ प्राचीन डिंगलकाळ नामकरण कुण करियौ

1. गजराज ओझा
2. हीरालाल माहेश्वरी
3. एल.पी.टैस्सीटोरी
4. नरोत्तम स्वामी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

63 43013

कालक्रम री दीठ सूं कुणसी ओळी सही है

1. ऊमरदान लालस, संकरदान सामौर, केसरीसिंह बारहठ, गणेशीलाल व्यास
2. शालिभद्र सूरि, हेमरतन सूरि, समय सुन्दर, जयाचार्य
3. रामचरणदास, दादू, जसनाथ, जांभोजी
4. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, मुरलीधर व्यास, प्रेमजी प्रेम, श्रीलाल नथमल जोशी

कालक्रम री दीठ सूं कुणसी ओळी सही है

1. ऊमरदान लालस, संकरदान सामौर, केसरीसिंह बारहठ, गणेशीलाल व्यास
2. शालिभद्र सूरि, हेमरतन सूरि, समय सुन्दर, जयाचार्य
3. रामचरणदास, दादू, जसनाथ, जांभोजी
4. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, मुरलीधर व्यास, प्रेमजी प्रेम, श्रीलाल नथमल जोशी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

64 43014

डॉ. हीरालाल माहेश्वरी रै राजस्थानी साहित्य रै प्रारंभिक काल रौ सही समै है

1. 1050-1450 ई.
2. 1045-1560 वि.
3. 1000-1400 वि.
4. 1250-1650 ई.

डॉ. हीरालाल माहेश्वरी रै राजस्थानी साहित्य रै प्रारंभिक काल रौ सही समै है

1. 1050-1450 ई.
2. 1045-1560 वि.
3. 1000-1400 वि.
4. 1250-1650 ई.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

65 43015

'रणमल्ल छंद' काव्यकृति रौ प्रधान रस कांई है ?

1. शांत रस
2. सिणगार रस
3. वीर रस
4. भगती रस

'रणमल्ल छंद' काव्यकृति रौ प्रधान रस कांई है ?

1. शांत रस
2. सिणगार रस
3. वीर रस
4. भगती रस

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

66 43016

आचार्य तुलसी रचित 'कालू यशोविलास ' किण रूप परंपरा री रचना है.

1. खंडकाव्य
2. गीतिकाव्य
3. महाकाव्य
4. चंपूकाव्य

आचार्य तुलसी रचित 'कालू यशोविलास ' किण रूप परंपरा री रचना है.

1. खंडकाव्य
2. गीतिकाव्य
3. महाकाव्य
4. चंपूकाव्य

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

67 43017

प्राकृत भाषा री रचना 'भगवई' रौ राजस्थानी में 'भगवती जोड़' रै नाम सूं उल्थौ कुण करियौ

1. जयाचार्य
2. आचार्य भीखण
3. जिनराज सूरि
4. लब्धोदय

प्राकृत भाषा री रचना 'भगवई' रौ राजस्थानी में 'भगवती जोड़' रै नाम सूं उल्थौ कुण करियौ

1. जयाचार्य
2. आचार्य भीखण
3. जिनराज सूरि
4. लब्धोदय

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

68 43018

राजस्थानी रचना 'सीताराम चौपाई' रा रचनाकार कुण है

1. जिन हर्ष
2. समय सुन्दर
3. उपाध्याय गुण विनय
4. श्रीसार

राजस्थानी रचना 'सीताराम चौपाई' रा रचनाकार कुण है

1. जिन हर्ष
2. समय सुन्दर
3. उपाध्याय गुण विनय
4. श्रीसार

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

69 43019

संत कवयित्री दयाबाई अर सहजोबाई किण संत-सम्प्रदाय सूं संबंध राखै

1. लालदासी
2. निरंजनी
3. अलखिया
4. चरणदासी

संत कवयित्री दयाबाई अर सहजोबाई किण संत-सम्प्रदाय सूं संबंध राखै

1. लालदासी
2. निरंजनी
3. अलखिया
4. चरणदासी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 43020

"धिन उमादे सांखली, तैं पिय लियो मुलाय।
सात बरस रो बांछड़यो, तो किम रैण बिहाय।।"
इण दोहै रा रचनाकार कुण है -

1. सांदू माला
2. समानबाई
3. चम्पादे
4. झीमा चारणी

"धिन उमादे सांखली, तैं पिय लियो मुलाय।
सात बरस रो बांछड़यो, तो किम रैण बिहाय।।"
इण दोहै रा रचनाकार कुण है -

1. सांदू माला
2. समानबाई
3. चम्पादे
4. झीमा चारणी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 43021 राव बखतावर री रचना कुणसी है -

1. वाग विलास
2. धनुष भंग
3. कंवळ-प्रसंग
4. उज्जैणी रौ जुद्ध

राव बखतावर री रचना कुणसी है -

1. वाग विलास
2. धनुष भंग
3. कंवळ-प्रसंग
4. उज्जैणी रौ जुद्ध

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

72 43022 'मन री मैफल' कविता रा रचनाकार है -

1. रेवतदान चारण
2. सत्येन जोशी
3. कल्याणसिंह राजावत
4. प्रेम जी 'प्रेम'

'मन री मैफल' कविता रा रचनाकार है -

1. रेवतदान चारण
2. सत्येन जोशी
3. कल्याणसिंह राजावत
4. प्रेम जी 'प्रेम'

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

73 43023

'बापूः अेक कवि की चितार' कृति रा रचनाकार है -

1. प्रेम जी 'प्रेम'
2. जितेन्द्र निर्मोही
3. ओम नागर 'अश्क'
4. रघुराज सिंह हाडा

'बापूः अेक कवि की चितार' कृति रा रचनाकार है -

1. प्रेम जी 'प्रेम'
2. जितेन्द्र निर्मोही
3. ओम नागर 'अश्क'
4. रघुराज सिंह हाडा

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

74 43024

"ओ रे भाया, रुक मत भाई, झुक मत भाई / ऊजड़ खड़ती आंधी आई।" इण ओळ्यां री रचना अर रचनाकार रौ किस्यौ क्रम सही है -

1. बटाऊ : कन्हैयालाल सेठिया
2. चेत मांनखा : रेवतदान चारण
3. जुग रो हेलौ : कल्याणसिंह राजावत
4. दीवट : गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'

"ओ रे भाया, रुक मत भाई, झुक मत भाई / ऊजड़ खड़ती आंधी आई।" इण ओळ्यां री रचना अर रचनाकार रौ किस्यौ क्रम सही है -

1. बटाऊ : कन्हैयालाल सेठिया
2. चेत मांनखा : रेवतदान चारण
3. जुग रो हेलौ : कल्याणसिंह राजावत
4. दीवट : गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

75 43025

"अै सगळा थारै म्हारै इज हेत रा रूप अनेक / थारी म्हारी प्रीत री रीत रा भाव अनेक / थारी प्रीत म्हनै अमर करै / थारी प्रीत म्हनै पूरण करै।" राधा काव्य री अै ओळ्याँ उणरै कुणसै खण्ड सूं लियोड़ी है -

1. तिरस
2. रास
3. बदनांमी
4. दरसण

"अै सगळा थारै म्हारै इज हेत रा रूप अनेक / थारी म्हारी प्रीत री रीत रा भाव अनेक / थारी प्रीत म्हनै अमर करै / थारी प्रीत म्हनै पूरण करै।" राधा काव्य री अै ओळ्याँ उणरै कुणसै खण्ड सूं लियोड़ी है -

1. तिरस
2. रास
3. बदनांमी
4. दरसण

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

76 43026

'उडीक' कहाणी रै पात्र 'किसनू' री ब्हैन रौ कांई नाम है -

1. पेमली
2. गोमती
3. धापू
4. गंगा

'उडीक' कहाणी रै पात्र 'किसनू' री ब्हैन रौ कांई नाम है -

1. पेमली
2. गोमती
3. धापू
4. गंगा

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

77 43027

'जहूर खां मेहर' आपरै निबंध 'अर्जुन आळी आंख' में अर्जुन किणनै कह्यौ है ?

1. सीताराम लालस
2. अर्जुनसिंह
3. मुहणोत नैणसी
4. कविराजा बांकीदास

'जहूर खां मेहर' आपरै निबंध 'अर्जुन आळी आंख' में अर्जुन किणनै कह्यौ है ?

1. सीताराम लालस
2. अर्जुनसिंह
3. मुहणोत नैणसी
4. कविराजा बांकीदास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 43028

'अलेखूं हिटलर' कहाणी में पांच मिनख गांव सूं स्हैर कांई मोलावण सारू गया ?

1. ट्रक
2. ट्रैक्टर
3. ऊंट छकड़ौ
4. मोटर साइकल

'अलेखूं हिटलर' कहाणी में पांच मिनख गांव सूं स्हैर कांई मोलावण सारू गया ?

1. ट्रक
2. ट्रैक्टर
3. ऊंट छकड़ौ
4. मोटर साइकल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

79 43029 'नैणसी रो साको' अेकांकी संग्रह रा रचनाकार है -

1. मनोहर शर्मा
2. शक्तिदान कविया
3. गणपति चंद्र भंडारी
4. गोविंदलाल माथुर

'नैणसी रो साको' अेकांकी संग्रह रा रचनाकार है -

1. मनोहर शर्मा
2. शक्तिदान कविया
3. गणपति चंद्र भंडारी
4. गोविंदलाल माथुर

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

80 43030 'खजानो' कहाणी में डोकरी रा थैला मांय कांई हा ?

1. काचरिया
2. आंबा
3. दो सौ रुपिया
4. चांदी रा कड़ा

'खजानो' कहाणी में डोकरी रा थैला मांय कांई हा ?

1. काचरिया
2. आंबा
3. दो सौ रुपिया
4. चांदी रा कड़ा

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

81 43031

'खोटा भाई अर आछी बैन' रौ चरित्र बतावण वाळी चावी लोक कथा है -

1. समझ रो भरम
2. पीळौ सांप
3. बिजड़-बिजोगण री
4. केळू री कांब

'खोटा भाई अर आछी बैन' रौ चरित्र बतावण वाळी चावी लोक कथा है -

1. समझ रो भरम
2. पीळौ सांप
3. बिजड़-बिजोगण री
4. केळू री कांब

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

82 43032

'जैमती' कुणसी लोकगाथा रौ चरित्र है -

1. पाबूजी
2. तेजाजी
3. बगड़ावत
4. काळा गोरा री भारत

'जैमती' कुणसी लोकगाथा रौ चरित्र है -

1. पाबूजी
2. तेजाजी
3. बगड़ावत
4. काळा गोरा री भारत

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

83 43033

नीचे लिख्या नामां मांय सूं कुणसौ नाम राजस्थानी बाळकां रै खेलां नूं न्यारौ है -`

1. मारदड़ी
2. लूणिया घाटी
3. हड़दड़ौ (हरदड़ौ)
4. ऊत-कमायचौ

नीचे लिख्या नामां मांय सूं कुणसौ नाम राजस्थानी बाळकां रै खेलां नूं न्यारौ है -`

1. मारदड़ी
2. लूणिया घाटी
3. हड़दड़ौ (हरदड़ौ)
4. ऊत-कमायचौ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 43034

राजस्थानी साहित्यकार डॉ. भँवरसिंह सामौर नैं वां री कुणसी कृति माथै साहित्य अकादमी, नई दिल्ली रौ पुरस्कार मिल्यौ -

1. राजस्थानी साहित्य साख अर संवेदना
2. संस्कृति री सनातन दीठ
3. राजस्थानी शक्ति काव्य परम्परा
4. राजस्थानी साहित्य री सौरम

राजस्थानी साहित्यकार डॉ. भँवरसिंह सामौर नैं वां री कुणसी कृति माथै साहित्य अकादमी, नई दिल्ली रौ पुरस्कार मिल्यौ -

1. राजस्थानी साहित्य साख अर संवेदना
2. संस्कृति री सनातन दीठ
3. राजस्थानी शक्ति काव्य परम्परा
4. राजस्थानी साहित्य री सौरम

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

85 43035

राजस्थानी लोकजीवण में सासरै आयोड़ै जंवाई नैं साळियां-साळेलियां केई पेचीदा सवाल पूछै। आं सवालां मांय सूं अेक चावौ सवाल "आपरै घर में चतुर कुण है" रौ सही अर प्रचलित उत्तर है -

1. महतारी
2. दुहारी
3. बुहारी
4. घरवारी

राजस्थानी लोकजीवण में सासरै आयोड़ै जंवाई नैं साळियां-साळेलियां केई पेचीदा सवाल पूछै। आं सवालां मांय सूं अेक चावौ सवाल "आपरै घर में चतुर कुण है" रौ सही अर प्रचलित उत्तर है -

1. महतारी
2. दुहारी
3. बुहारी
4. घरवारी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

86 43036 टोकसी, घेरो, पींदो, घोड़ी, मोरणा, खूंटीया, गज अर घूघरा कुण-सै वाद्य यंत्र रा अंग है -

1. झांझ रा
2. पूंगी रा
3. रावणहत्थै रा
4. अलगोजै रा

टोकसी, घेरो, पींदो, घोड़ी, मोरणा, खूंटीया, गज अर घूघरा कुण-सै वाद्य यंत्र रा अंग है -

1. झांझ रा
2. पूंगी रा
3. रावणहत्थै रा
4. अलगोजै रा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

87 43037

बाड़मेर में ईलोजी री बारात कद निकाळी जावै -

1. होळी
2. गणगौर
3. दीवाळी
4. दसरावौ

बाड़मेर में ईलोजी री बारात कद निकाळी जावै -

1. होळी
2. गणगौर
3. दीवाळी
4. दसरावौ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

88 43038

"रण हालीजे चारणां, चाहे अब लग चैन।
करै सुहड़ जिसड़ी कहौ, विध सों दूर वणै न।।"
इण दूहे रै पैलै चरण में वैण सगाई अलंकार रौ कुणसौ भेद बरतीज्यौ है -

1. आदि मेळ
2. मध्य मेळ
3. अंत मेळ
4. मेळो मेळ

"रण हालीजे चारणां, चाहे अब लग चैन।
करै सुहड़ जिसड़ी कहौ, विध सों दूर वणै न।।"
इण दूहे रै पैलै चरण में वैण सगाई अलंकार रौ कुणसौ भेद बरतीज्यौ है -

1. आदि मेळ
2. मध्य मेळ
3. अंत मेळ
4. मेळो मेळ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

89 43039

"राम बरण जुग रूप अे, सह बरणां सिरताज।
रहे मुकुटमणराज, आखर अवरां ऊपरै।।"
ऊपर लिखी काव्य-ओलियां में कुणसौ छंद है -

1. बडौ दूहौ
2. तूंबेरी दूहौ
3. सोरठियो दूहौ
4. साधारण दूहौ

"राम बरण जुग रूप अे, सह बरणां सिरताज।
रहे मुकुटमणराज, आखर अवरां ऊपरै।।"
ऊपर लिखी काव्य-ओलियां में कुणसौ छंद है -

1. बडौ दूहौ
2. तूंबेरी दूहौ
3. सोरठियो दूहौ
4. साधारण दूहौ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

90 43040

नायक-नायिका नाट्य रै पात्रानुसार वेशभूषा, अलंकार आद धारण करै अथवा देशकाल रौ नकली रूप बणावै बठै कुणसौ अनुभाव मानीजै -

1. आहार्य
2. वाचिक
3. कायिक
4. सात्विक

नायक-नायिका नाट्य रै पात्रानुसार वेशभूषा, अलंकार आद धारण करै अथवा देशकाल रौ नकली रूप बणावै बठै कुणसौ अनुभाव मानीजै -

1. आहार्य
2. वाचिक
3. कायिक
4. सात्विक

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

91 43041

राजस्थानी भासा खातर सही ओळियां है -

A. डॉ. एल.पी.टैस्सीटोरी राजस्थानी नैं सुतंत्र भाषा अंगेजी।
B. इण भासा री लिपि सारदा लिपि है।
C. राजस्थानी मांय फगत वीर-काव्य रौ इज सिरजण हुयौ।
D. नाथूसिंह महियारिया इण भासा रा बीसवैं सइकै रा कवि हा।
E. "गज उद्धार" रचना रौ सिरजण महाराजा अजीतसिंह करियौ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B, C अर E
2. केवल C, D अर A
3. केवल A, D अर E
4. केवल E, A अर B

राजस्थानी भासा खातर सही ओळियां है -

A. डॉ. एल.पी.टैस्सीटोरी राजस्थानी नैं सुतंत्र भाषा अंगेजी।
B. इण भासा री लिपि सारदा लिपि है।
C. राजस्थानी मांय फगत वीर-काव्य रौ इज सिरजण हुयौ।
D. नाथूसिंह महियारिया इण भासा रा बीसवैं सइकै रा कवि हा।
E. "गज उद्धार" रचना रौ सिरजण महाराजा अजीतसिंह करियौ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B, C अर E
2. केवल C, D अर A
3. केवल A, D अर E
4. केवल E, A अर B

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

92 43042

पिंगल-शैली री रचना है-

A. देवियाण
B. विजयपाल रासौ
C. निरंजनप्राण
D. परशुराम सागर
E. केसरीसिंह समर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल C, D और E
4. केवल B, C और E

पिंगल-शैली री रचना है-

A. देवियाण
B. विजयपाल रासौ
C. निरंजनप्राण
D. परशुराम सागर
E. केसरीसिंह समर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल C, D और E
4. केवल B, C और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 43043

बांदरा रा परयायवाची सबद है -

A. माकड़
B. मरकट
C. पलवंग
D. कलापी
E. तोखार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, C अर D
3. केवल C, D अर E
4. केवल A, C अर D

बांदरा रा परयायवाची सबद है -

A. माकड़
B. मरकट
C. पलवंग
D. कलापी
E. तोखार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, C अर D
3. केवल C, D अर E
4. केवल A, C अर D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

94 43044

दीर्घ स्वर है -

A. अ
B. आ
C. इ
D. ई
E. ऊ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल C, D अर E
2. केवल B, D अर E
3. केवल A, C अर E
4. केवल A, B अर C

दीर्घ स्वर है -

A. अ
B. आ
C. इ
D. ई
E. ऊ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल C, D अर E
2. केवल B, D अर E
3. केवल A, C अर E
4. केवल A, B अर C

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

95 43045

'शालिहोत्र' ग्रंथ बाबत सही ओळियां है -

A. हिन्दी भाषा रौ मूलग्रंथ है
B. हाथी रै रोगां री जाणकारी देवै
C. घोड़े रै रोगां री जाणकारी देवै
D. इणरौ राजस्थानी मांय उल्थौ हुयौ
E. संस्कृत भाषा रौ मूलग्रंथ है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल C, D अर E
3. केवल B, D अर E
4. केवल A, C अर D

'शालिहोत्र' ग्रंथ बाबत सही ओळियां है -

A. हिन्दी भाषा रौ मूलग्रंथ है
B. हाथी रै रोगां री जाणकारी देवै
C. घोड़े रै रोगां री जाणकारी देवै
D. इणरौ राजस्थानी मांय उल्थौ हुयौ
E. संस्कृत भाषा रौ मूलग्रंथ है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल C, D अर E
3. केवल B, D अर E
4. केवल A, C अर D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

96 43046

डिंगल सारू सही तथ्य है -

A. आ राजस्थानी री अेक काव्य सैली है
B. आ राजस्थानी री बोलचाल री भासा है
C. आ वीर-रस प्रधान काव्य-सैली है
D. इणमें चारण कवियां घणै चाव सूं सिरजण करियौ
E. इणरौ कोई छंद-विधान नीं है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर E
4. केवल A, B अर E

डिंगल सारू सही तथ्य है -

A. आ राजस्थानी री अेक काव्य सैली है
B. आ राजस्थानी री बोलचाल री भासा है
C. आ वीर-रस प्रधान काव्य-सैली है
D. इणमें चारण कवियां घणै चाव सूं सिरजण करियौ
E. इणरौ कोई छंद-विधान नीं है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर E
4. केवल A, B अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

97 43047 डिंगळ-गीतां सारू अै विचार मानीजै -

A. डिंगळ-गीत राजस्थानी साहित्य री अमोलक धरोहर है।
B. डिंगळ-गीत गेयता लियोड़ा रह्या है।
C. डिंगळ-गीतां रा विषय वीर रस सूं इज जुड़्योड़ा रह्या है।
D. केई डिंगळ-गीतां में वीरत री कीरत है।
E. "आयो इंगरेज मुलक रै ऊपर" बांकीदास जी रौ चावौ डिंगळ गीत है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, D अर E
3. केवल A, B अर D
4. केवल A, C अर E

डिंगळ-गीतां सारू अै विचार मानीजै -

A. डिंगळ-गीत राजस्थानी साहित्य री अमोलक धरोहर है।
B. डिंगळ-गीत गेयता लियोड़ा रह्या है।
C. डिंगळ-गीतां रा विषय वीर रस सूं इज जुड़्योड़ा रह्या है।
D. केई डिंगळ-गीतां में वीरत री कीरत है।
E. "आयो इंगरेज मुलक रै ऊपर" बांकीदास जी रौ चावौ डिंगळ गीत है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, D अर E
3. केवल A, B अर D
4. केवल A, C अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

98 43048

नीतिकाव्य रै संबंध में सही तथ्य है -

A. नीतिकाव्य में सीख री बात खासतौर सूं हुवै।
B. नीतिकाव्य संबोधन काव्य रै रूप में हुवै।
C. नीतिकाव्य में आधुनिक रचनावां ही मिळै।
D. नीतिकाव्य अेक भांत रौ गद्य गीत है।
E. नीतिकाव्य रौ चावौ-ठावौ छंद सोरठो है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, B अर E
3. केवल B, C अर E
4. केवल C, D अर E

नीतिकाव्य रै संबंध में सही तथ्य है -

A. नीतिकाव्य में सीख री बात खासतौर सूं हुवै।
B. नीतिकाव्य संबोधन काव्य रै रूप में हुवै।
C. नीतिकाव्य में आधुनिक रचनावां ही मिळै।
D. नीतिकाव्य अेक भांत रौ गद्य गीत है।
E. नीतिकाव्य रौ चावौ-ठावौ छंद सोरठो है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, B अर E
3. केवल B, C अर E
4. केवल C, D अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

99 43049

दवावैत खातर सही ओळियां है -

A. महाराजा अजीतसिंह री दवावैत - द्वारकादास दधवाड़िया
B. कंवर नारकरणजी री दवावैत - बिहारीदास मेहड़ू
C. राजा जयसिंह री दवावैत - डूंगरसी
D. छत्रसिंघ रामसिंघोत री दवावैत - कवि चौथ
E. राव अखैराज री दवावैत - तेजराम आसिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर D
4. केवल C, D अर E

दवावैत खातर सही ओळियां है -

A. महाराजा अजीतसिंह री दवावैत - द्वारकादास दधवाड़िया
B. कंवर नारकरणजी री दवावैत - बिहारीदास मेहड़ू
C. राजा जयसिंह री दवावैत - डूंगरसी
D. छत्रसिंघ रामसिंघोत री दवावैत - कवि चौथ
E. राव अखैराज री दवावैत - तेजराम आसिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर D
4. केवल C, D अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

100 43050

बारहठ ईसरदास री रचनावां है -

A. गरुड़ पुराण
B. दसमभागवत रा दूहा
C. किरतार बावनी
D. गुण वैराट
E. गुण निरंजन प्राण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B अर C
2. केवल C अर E
3. केवल A अर D
4. केवल B अर E

बारहठ ईसरदास री रचनावां है -

A. गरुड़ पुराण
B. दसमभागवत रा दूहा
C. किरतार बावनी
D. गुण वैराट
E. गुण निरंजन प्राण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B अर C
2. केवल C अर E
3. केवल A अर D
4. केवल B अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

101 43051

"मन रा मीत कान्हा रे। जग में मंडग्यौ घमसांण। तो भाई पर भाई करसी वार। आपस में लड़सी, मरसी मानखौ। चुड़ला तोड़ैली काळा ओढ़। अमर सुहागण थारी गोपियां" आं ओळियां मुजब -

A. कलह मिटावण सारू जुद्ध जरूरी है।
B. जुद्ध मांय मानखै रौ संघार हुवै।
C. लुगायां जुद्ध करै जद काळा ओढ'र आपस में लड़ै अर चूड़ा फोड़ै।
D. जुद्ध हुयां भाई-भाई आपस में कट मरै।
E. इण रचना रा रचनाकार सत्य प्रकाश जोशी है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल B, C अर D
4. केवल A, B, अर D

"मन रा मीत कान्हा रे। जग में मंडग्यौ घमसांण। तो भाई पर भाई करसी वार। आपस में लड़सी, मरसी मानखौ। चुड़ला तोड़ैली काळा ओढ़। अमर सुहागण थारी गोपियां" आं ओळियां मुजब -

A. कलह मिटावण सारू जुद्ध जरूरी है।
B. जुद्ध मांय मानखै रौ संघार हुवै।
C. लुगायां जुद्ध करै जद काळा ओढ'र आपस में लड़े अर चूड़ा फोड़े।
D. जुद्ध हुयां भाई-भाई आपस में कट मरै।
E. इण रचना रा रचनाकार सत्य प्रकाश जोशी है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल B, C अर D
4. केवल A, B, अर D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

102 43052

राजस्थानी जातरा-संस्मरण विधा री रचना है -

A. आंगण सूं अनार्कुलम
B. म्हारी जापान यात्रा
C. आंगणै सूं अमरनाथ
D. म्हारी मारिशस यात्रा
E. नागौर सूं नाइजीरिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर D
2. केवल B, C अर E
3. केवल A, B अर C
4. केवल A, B अर D

राजस्थानी जातरा-संस्मरण विधा री रचना है -

A. आंगण सूं अनार्कुलम
B. म्हारी जापान यात्रा
C. आंगणै सूं अमरनाथ
D. म्हारी मारिशस यात्रा
E. नागौर सूं नाइजीरिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर D
2. केवल B, C अर E
3. केवल A, B अर C
4. केवल A, B अर D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

103 43053

शिवचन्द्र भरतिया रै विसै में सही कथन है -

A. राजस्थानी में नाट्य-लेखन रै श्रीगणेश रौ श्रेय वां रै नाम है।
B. वां राजस्थानी (मारवाड़ी) समाज में फैलेड़ी बुराइयां नैं केन्द्र में राखतां रचनावां लिखी।
C. वां बरसां ताणी 'वैश्योपकारक' सिरै नाम सूं हिंदी मासिक निकाळी।
D. 'विचार-दर्शन' प्रबंधकाव्य री दीठ सूं वांरी चावी राजस्थानी कृति है।
E. वै राजस्थानी साहित्य रा रामचंद्र शुक्ल मानीजै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर E
2. केवल A, B अर C
3. केवल A, B अर D
4. केवल B, C अर D

शिवचन्द्र भरतिया रै विसै में सही कथन है -

A. राजस्थानी में नाट्य-लेखन रै श्रीगणेश रौ श्रेय वां रै नाम है।
B. वां राजस्थानी (मारवाड़ी) समाज में फैलेड़ी बुराइयां नैं केन्द्र में राखतां रचनावां लिखी।
C. वां बरसां ताणी 'वैश्योपकारक' सिरै नाम सूं हिंदी मासिक निकाळी।
D. 'विचार-दर्शन' प्रबंधकाव्य री दीठ सूं वांरी चावी राजस्थानी कृति है।
E. वै राजस्थानी साहित्य रा रामचंद्र शुक्ल मानीजै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर E
2. केवल A, B अर C
3. केवल A, B अर D
4. केवल B, C अर D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

104 43054

'राजस्थानी महिला लेखन: परम्परा अर विकास' पेटै कुण-कुणसा कथन सही है -

A. आधुनिक राजस्थानी महिला लेखन 'कविता अर कहाणी' ताणी सिमटीजेड़ौ है।
B. मध्यकाल में सोढी नाथी, राणी बांकावाती, सूरज कंवर, बाघेली रणछोड़ कुंवरी आद क्रिसण भगत कवयित्रियां हुई है।
C. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत इतिहास अर लोक नैं आधार बणा' र कहाणियां रची, जकी घणी चावी है।
D. आज री राजस्थानी में महिला अर पुरुस लिखारां री संख्या बराबर है।
E. कवयित्री प्रतापकुंवरी री रच्योड़ी 'पत्रिका' तुलसी कृत 'विनय-पत्रिका' सूं मेळ खावै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B, C अर E
2. केवल A, B अर D
3. केवल A, C अर E
4. केवल C, D अर E

'राजस्थानी महिला लेखन: परम्परा अर विकास' पेटै कुण-कुणसा कथन सही है -

A. आधुनिक राजस्थानी महिला लेखन 'कविता अर कहाणी' ताणी सिमटीजेड़ौ है।
B. मध्यकाल में सोढी नाथी, राणी बांकावाती, सूरज कंवर, बाघेली रणछोड़ कुंवरी आद क्रिसण भगत कवयित्रियां हुई है।
C. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत इतिहास अर लोक नैं आधार बणा' र कहाणियां रची, जकी घणी चावी है।
D. आज री राजस्थानी में महिला अर पुरुस लिखारां री संख्या बराबर है।
E. कवयित्री प्रतापकुंवरी री रच्योड़ी 'पत्रिका' तुलसी कृत 'विनय-पत्रिका' सूं मेळ खावै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B, C अर E
2. केवल A, B अर D
3. केवल A, C अर E
4. केवल C, D अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

105 43055

डॉ. किरणचंद नाहटा रै विसै में सही तथ्य है -

A. वै राजस्थानी-गंगा रा संपादक हा।
B. वै 'आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत अर प्रवृत्तियां' रा सिरजक हा।
C. वां री राजस्थानी काव्य-रचनावां लोक में घणी चावी है।
D. राजस्थानी उपन्यास पेटै वां रौ योगदान उल्लेखण जोग है।
E. वै आचार्य तुलसी राजस्थानी शोध संस्थान रा मानद निदेशक रैया।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, D अर E
3. केवल A, B अर E
4. केवल A, B अर C

डॉ. किरणचंद नाहटा रे विसै में सही तथ्य है -

A. वै राजस्थानी-गंगा रा संपादक हा।
B. वै 'आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत अर प्रवृत्तियां' रा सिरजक हा।
C. वां री राजस्थानी काव्य-रचनावां लोक में घणी चावी है।
D. राजस्थानी उपन्यास पेटै वां रौ योगदान उल्लेखण जोग है।
E. वै आचार्य तुलसी राजस्थानी शोध संस्थान रा मानद निदेशक रैया।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, D अर E
3. केवल A, B अर E
4. केवल A, B अर C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

106 43056

सुखदा कछवाह, कमला कमलेस अर पुष्पलता कश्यप रा कहाणी संग्रै है -

A. अमंगळी छाया
B. आज री मूमल
C. अणचाहिजती
D. पगफेरो
E. मेला हाथ ऊजळा हाथ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल A, B अर D
4. केवल A, D अर E

सुखदा कछवाह, कमला कमलेस अर पुष्पलता कश्यप रा कहाणी संग्रै है -

A. अमंगळी छाया
B. आज री मूमल
C. अणचाहिजती
D. पगफेरो
E. मेला हाथ ऊजळा हाथ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, D अर E
3. केवल A, B अर D
4. केवल A, D अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

107 43057

नाथूसिंह महियारिया री रचनावां है -

A. वीर सतसई
B. झालामान शतक
C. पाबूजी रा सोरठा
D. करणी शतक
E. पेमसिंह रूपक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर D
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर E
4. केवल A, C अर E

नाथूसिंह महियारिया री रचनावां है -

A. वीर सतसई
B. झालामान शतक
C. पाबूजी रा सोरठा
D. करणी शतक
E. पेमसिंह रूपक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर D
2. केवल A, C अर D
3. केवल B, C अर E
4. केवल A, C अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

108 43058

राजस्थानी लोकगीतां सारू आ बात कैयी जा सकै -

A. लोकगीतां में संस्कृति रौ चितराम साम्हीं आवै।
B. लोकगीत वाद्यां बिना नीं गाया जा सकै।
C. लोकगीत जलम सूं लेर मर् यां पछै रा संस्कारां सूं जुड़्या रह्या है।
D. लोकगीतां नैं लुगाइयां रै अलावा दूजा नीं गाय सकै।
E. लोकगीतां मांय भणत लोकगीत कृषि सूं जुड़्या रह्या है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, B अर D
3. केवल A, C अर D
4. केवल A, D अर E

राजस्थानी लोकगीतां सारू आ बात कैयी जा सकै -

A. लोकगीतां में संस्कृति रौ चितराम साम्हीं आवै।
B. लोकगीत वाद्यां बिना नीं गाया जा सकै।
C. लोकगीत जलम सूं लेर मर् यां पछै रा संस्कारां सूं जुड़्या रह्या है।
D. लोकगीतां नैं लुगाइयां रै अलावा दूजा नीं गाय सकै।
E. लोकगीतां मांय भणत लोकगीत कृषि सूं जुड़्या रह्या है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, B अर D
3. केवल A, C अर D
4. केवल A, D अर E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

109 43059

राजस्थानी बातां सारू अे तथ्य सही रह्या है -

A. राजस्थानी बातां में हुंकारौ दिरीजै।
B. एकांतरै री कथा में हुंकारौ नीं दिरीजै।
C. राजस्थानी बातां रा न्यारा-न्यारा पात्र लोक में घणा चावा रह्या है।
D. राजस्थानी बातां सुणतां टाबरां नैं आणंद नीं आवै।
E. राजस्थानी बातां में मानवेतर प्राणियां रौ समावेश नीं हुवै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल B, C अर E
3. केवल A, B अर E
4. केवल A, B अर C

राजस्थानी बातां सारू अै तथ्य सही रह्या है -

A. राजस्थानी बातां में हुंकारौ दिरीजै।
B. एकांतरै री कथा में हुंकारौ नीं दिरीजै।
C. राजस्थानी बातां रा न्यारा-न्यारा पात्र लोक में घणा चावा रह्या है।
D. राजस्थानी बातां सुणतां टाबरां नैं आणंद नीं आवै।
E. राजस्थानी बातां में मानवेतर प्राणियां रौ समावेश नीं हुवै।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल B, C अर E
3. केवल A, B अर E
4. केवल A, B अर C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

110 43060

लोकगाथा री ओळखाण है -

A. अग्यात रचयिता
B. छोटो कथानक
C. लौकिक शैली
D. शास्त्रीयता रो प्रभाव
E. मंगळाचरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, B अर C
3. केवल B, C अर D
4. केवल A, B अर D

लोकगाथा री ओळखाण है -

A. अग्यात रचयिता
B. छोटो कथानक
C. लौकिक शैली
D. शास्त्रीयता रो प्रभाव
E. मंगळाचरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, C अर E
2. केवल A, B अर C
3. केवल B, C अर D
4. केवल A, B अर D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

111 43061

पद्मश्री विजयदान देथा 'बिज्जी' रौ संबंध है -
A. गवरी नृत्य
B. लोकसंगीत
C. लोक वाद्य
D. लोक साहित्य
E. बातां री फुलवाड़ी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर E
2. केवल A, अर D
3. केवल B, अर D
4. केवल D अर E

पद्मश्री विजयदान देथा 'बिज्जी' रौ संबंध है -
A. गवरी नृत्य
B. लोकसंगीत
C. लोक वाद्य
D. लोक साहित्य
E. बातां री फुलवाड़ी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर E
2. केवल A, अर D
3. केवल B, अर D
4. केवल D अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

112 43062

इणां मांय सूं किसा मिंदर रौ स्थापत्य बखाणजोग है -

A. सातबीसदेव - देवरीमिंदर, चित्तौड़गढ़
B. ऋषभदेव मिंदर, केसरियाजी
C. रणकपुर जैन मिंदर, रणकपुर
D. पद्मनाभ स्वामी मिंदर, उदयपुर
E. देलवाड़ा जैन मिंदर, आबू

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल C अर E
2. केवल A अर D
3. केवल B अर D
4. केवल A अर B

इणां मांय सूं किसा मिंदर रौ स्थापत्य बखाणजोग है -

A. सातबीसदेव - देवरीमिंदर, चित्तौड़गढ़
B. ऋषभदेव मिंदर, केसरियाजी
C. रणकपुर जैन मिंदर, रणकपुर
D. पद्मनाभ स्वामी मिंदर, उदयपुर
E. देलवाड़ा जैन मिंदर, आबू

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल C अर E
2. केवल A अर D
3. केवल B अर D
4. केवल A अर B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

113 43063

राजस्थान में डिग्गी रौ मेळौ भर् यो जावै -

A. काती-पूनम
B. सावण-अमावस
C. फागण-अमावस
D. वैसाख-पूनम
E. आसोज-पूनम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर C
2. केवल C अर E
3. केवल B अर D
4. केवल B अर E

राजस्थान में डिग्गी रौ मेळौ भर् यौ जावै -

A. काती-पूनम
B. सावण-अमावस
C. फागण-अमावस
D. वैसाख-पूनम
E. आसोज-पूनम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर C
2. केवल C अर E
3. केवल B अर D
4. केवल B अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

114 43064

नीचै लिख्या तिंवारा मांय भाई-बैन रौ प्रेम सामीं आवै -

A. राखड़ी पूनम
B. गणगौर
C. भाई दूज
D. आदीत रोटौ
E. आखा तीज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, C अर D
3. केवल A, C अर D
4. केवल C, D अर E

नीचै लिख्या तिंवारा मांय भाई-बैन रौ प्रेम सामीं आवै -

A. राखड़ी पूनम
B. गणगौर
C. भाई दूज
D. आदीत रोटौ
E. आखा तीज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B अर C
2. केवल B, C अर D
3. केवल A, C अर D
4. केवल C, D अर E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

115 43065

मेवाड़ चित्रसैली रा प्रमुख केन्द्र मान्या जावै -

A. भीलवाड़ा
B. चित्तौड़गढ़
C. उदयपुर
D. नाथद्वारा
E. सलूम्बर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर E
2. केवल B अर E
3. केवल C अर D
4. केवल A अर B

मेवाड़ चित्रसैली रा प्रमुख केन्द्र मान्या जावै -

A. भीलवाड़ा
B. चित्तौड़गढ़
C. उदयपुर
D. नाथद्वारा
E. सलूम्बर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A अर E
2. केवल B अर E
3. केवल C अर D
4. केवल A अर B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 43066

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	सप्तसती रा छंद	I.	कृपाराम
B.	भवानी छंद	II.	श्रीधर
C.	चालकनेची रा छंद	III.	लधराज
D.	देवी विलास	IV.	कुशललाम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - IV, B - III, C - II, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	सप्तसती रा छंद	I.	कृपाराम
B.	भवानी छंद	II.	श्रीधर
C.	चालकनेची रा छंद	III.	लधराज
D.	देवी विलास	IV.	कुशललाम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - IV, B - III, C - II, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 43067

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	विजयविलास	I.	मेहा दुलासणी
B.	केहर प्रकास	II.	राव महेशदास
C.	बिन्हैरासौ	III.	विशन सिंह बारहठ
D.	चांदाजी री वेलि	IV.	कविराव बख्तावर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - IV, C - I, D - II
2. A - IV, B - I, C - III, D - II
3. A - III, B - IV, C - II, D - I
4. A - I, B - II, C - IV, D - III

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	विजयविलास	I.	मेहा दुलासणी
B.	केहर प्रकास	II.	राव महेशदास
C.	बिन्हैरासौ	III.	विशन सिंह बारहठ
D.	चांदाजी री वेलि	IV.	कविराव बख्तावर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - IV, C - I, D - II
2. A - IV, B - I, C - III, D - II
3. A - III, B - IV, C - II, D - I
4. A - I, B - II, C - IV, D - III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 43068

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	चंदनबाला चरित्र चौपाई	I.	संत शैली
B.	राव जैतसी रा कवित्त	II.	जैन शैली
C.	जेठवा-ऊजळी	III.	चारण शैली
D.	दादू जन्मलीला परची	IV.	लौकिक शैली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - III, B - IV, C - I, D - II
4. A - IV, B - I, C - II, D - III

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	चंदनबाला चरित्र चौपाई	I.	संत शैली
B.	राव जैतसी रा कवित्त	II.	जैन शैली
C.	जेठवा-ऊजळी	III.	चारण शैली
D.	दादू जन्मलीला परची	IV.	लौकिक शैली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - III, B - IV, C - I, D - II
4. A - IV, B - I, C - II, D - III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 43069

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	पळकती प्रीत	I.	गजादान चारण
B.	आप कठी कांनी हो	II.	भंवरलाल सुथार
C.	अंतस री आवाज	III.	गजेसिंह राजपुरोहित
D.	कमठे आळी कांमणी	IV.	अर्जुनदेव चारण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - III, C - IV, D - II
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - IV, B - II, C - I, D - III
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	पळकती प्रीत	I.	गजादान चारण
B.	आप कठी कांनी हो	II.	भंवरलाल सुथार
C.	अंतस री आवाज	III.	गजेसिंह राजपुरोहित
D.	कमठे आळी कांमणी	IV.	अर्जुनदेव चारण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - III, C - IV, D - II
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - IV, B - II, C - I, D - III
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 43070

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	निहालदे सुलतान	I.	हेमाजळ राजा
B.	पांडवां री कथा	II.	कमध्वज राय
C.	गलालेंग	III.	महारावळ रामसिंह
D.	सिव-पारवती रौ ब्यावलौ	IV.	जहुठळ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - I, C - II, D - IV
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	निहालदे सुलतान	I.	हेमाजळ राजा
B.	पांडवां री कथा	II.	कमध्वज राय
C.	गलालेंग	III.	महारावळ रामसिंह
D.	सिव-पारवती रौ ब्यावलौ	IV.	जहुठळ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - I, C - II, D - IV
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 43071

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	तगड़ी	I.	कान
B.	बोर	II.	कमर
C.	झेला	III.	माथौ
D.	आंवला सेवटा	IV.	पग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - III, C - IV, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - IV, B - I, C - II, D - III

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	तगड़ी	I.	कान
B.	बोर	II.	कमर
C.	झेला	III.	माथौ
D.	आंवला सेवटा	IV.	पग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - III, C - IV, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - IV, B - I, C - II, D - III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 43072

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	भारतीय लोक कला मंडल	I.	जोधपुर
B.	राजस्थान संस्कृति परिषद	II.	बीकानेर
C.	राजस्थान विश्व भारती	III.	उदयपुर
D.	राजस्थान संगीत नाटक अकादमी	IV.	जयपुर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	भारतीय लोक कला मंडल	I.	जोधपुर
B.	राजस्थान संस्कृति परिषद	II.	बीकानेर
C.	राजस्थान विश्व भारती	III.	उदयपुर
D.	राजस्थान संगीत नाटक अकादमी	IV.	जयपुर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

123 43073

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	बूंदी	I.	लालगढ़ पैलेस
B.	बीकानेर	II.	सालमसिंह री हवेली
C.	करौली	III.	चौरासी थंभां री छतरी
D.	जैसलमेर	IV.	गोपालसिंह री छतरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - II, B - III, C - I, D - IV
2. A - I, B - IV, C - II, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	बूंदी	I.	लालगढ़ पैलेस
B.	बीकानेर	II.	सालमसिंह री हवेली
C.	करौली	III.	चौरासी थंभां री छतरी
D.	जैसलमेर	IV.	गोपालसिंह री छतरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - II, B - III, C - I, D - IV
2. A - I, B - IV, C - II, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

124 43074

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	रघुवर जस प्रकास	I.	मंसाराम सेवग
B.	रघुनाथ रूपक गीतां रौ	II.	किसना आढा
C.	डिंगळ कोश	III.	हमीरदान रतनू
D.	लखपत पिंगल	IV.	कविराजा मुरारिदान मीसण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - I, C - IV, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - II, B - I, C - IV, D - III

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	रघुवर जस प्रकास	I.	मंसाराम सेवग
B.	रघुनाथ रूपक गीतां रौ	II.	किसना आढा
C.	डिंगळ कोश	III.	हमीरदान रतनू
D.	लखपत पिंगल	IV.	कविराजा मुरारिदान मीसण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - I, C - IV, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - II, B - I, C - IV, D - III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 43075

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

सूची I		सूची II	
A.	जठै अेक भाव री शांति पछै दूजै भाव रौ उदय इयां हुवै, जकौ काव्य रसिकां नैं चमत्कृत करै	I.	भावोदय
B.	जठै समान चमत्कार वाळै दो भावां रौ बरणाव अेकै सागै करीजै	II.	भाव संधि
C.	जठै अेक भाव री व्यंजनां रै टेम ई उणरो विरोधी दूजो भाव अभिव्यंजित होवण सूं पैलो भाव समाप्त हुवै अर इणसूं चमत्कार पैदा हुवै	III.	भाव शांति
D.	अेक ई ठौड़ मोकळै भावां रो मेळ हुवै अेक कै पछै दूजौ जलमतौ जावै	IV.	भाव सबलता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - I, B - II, C - III, D - IV
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - III, B - I, C - II, D - IV

सूची I नै सूची II सूं सावळसर मिलाऔ -

	सूची I		सूची II
A.	जठै अेक भाव री शांति पछै दूजै भाव रौ उदय इयां हुवै, जकौ काव्य रसिकां नैं चमत्कृत करै	I.	भावोदय
B.	जठै समान चमत्कार वाळै दो भावां रौ बरणाव अेकै सागै करीजै	II.	भाव संधि
C.	जठै अेक भाव री व्यंजनां रै टेम ई उणरो विरोधी दूजो भाव अभिव्यंजित होवण सूं पैलो भाव समाप्त हुवै अर इणसूं चमत्कार पैदा हुवै	III.	भाव शांति
D.	अेक ई ठौड़ मोकळै भावां रो मेळ हुवै अेक कै पछै दूजौ जलमतौ जावै	IV.	भाव सबलता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - I, B - II, C - III, D - IV
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - III, B - I, C - II, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 43076

नीचै लिखी रचनावां रौ कालक्रम री दीठ सूं सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. जिनचन्द्र सूरि चर्चरी
B. शालिभद्र रास
C. वीस विरह मान रास
D. प्रबंध चिंतामणी संग्रह
E. श्रावक विधि रास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. B, A, D, C, E
2. A, C, D, E, B
3. B, A, C, D, E
4. C, B, A, D, E

नीचै लिखी रचनावां रौ कालक्रम री दीठ सूं सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. जिनचन्द्र सूरि चर्चरी
B. शालिभद्र रास
C. वीस विरह मान रास
D. प्रबंध चिंतामणी संग्रह
E. श्रावक विधि रास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. B, A, D, C, E
2. A, C, D, E, B
3. B, A, C, D, E
4. C, B, A, D, E

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

127 43077

नीचे लिखी रचनावां रौ कालक्रम री दीठ सूं सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. सदयवत्स चरित
B. रणकपुर स्तवन
C. बसंत विलास
D. कान्हड़दे प्रबंध
E. वस्तुपाल तेजपाल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. A, E, C, B, D
3. B, C, D, A, E
4. C, D, E, A, B

नीचे लिखी रचनावां रौ कालक्रम री दीठ सूं सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. सदयवत्स चरित
B. रणकपुर स्तवन
C. बसंत विलास
D. कान्हड़दे प्रबंध
E. वस्तुपाल तेजपाल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. A, E, C, B, D
3. B, C, D, A, E
4. C, D, E, A, B

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

128 43078

जलम बरस री दीठ-सूं नीचै लिख्या साहित्यकारां रौ सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. महाराजा मानसिंह
B. बांकीदास
C. गंवरीबाई
D. मंछाराम
E. चंडीदान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, D, B, E
2. B, C, E, A, D
3. C, B, D, A, E
4. D, E, C, B, A

जलम बरस री दीठ-सूं नीचै लिख्या साहित्यकारां रौ सही क्रम है (पैली सूं आखरी)

A. महाराजा मानसिंह
B. बांकीदास
C. गंवरीबाई
D. मंछाराम
E. चंडीदान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, D, B, E
2. B, C, E, A, D
3. C, B, D, A, E
4. D, E, C, B, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

129 43079

नीचे लिख्या नीतिकाव्यां रौ प्रकाशन वर्ष री दीठ सूं सही क्रम है -(पैली सूं आखरी)

A. इन्द्रवा रा सोरठा
B. भानियै रा दूहा
C. सोरठा रूपजी रा
D. किरण बावनी
E. राम रत्नावली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. B, C, A, D, E
3. C, A, B, E, D
4. D, E, C, B, A

नीचै लिख्या नीतिकाव्यां रौ प्रकाशन वर्ष री दीठ सूं सही क्रम है -(पैली सूं आखरी)

A. इन्द्रवा रा सोरठा
B. भानियै रा दूहा
C. सोरठा रूपजी रा
D. किरण बावनी
E. राम रत्नावली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. B, C, A, D, E
3. C, A, B, E, D
4. D, E, C, B, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

130 43080

'राधा' काव्य रा अध्यायां रै नामां रौ सही क्रम है -(पैली सूं आखरी)

A. माखण
B. ब्याव
C. होळी
D. रुकमणी जी
E. पूजा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, D, C, E
2. B, A, C, E, D
3. E, A, B, C, D
4. A, C, D, E, B

'राधा' काव्य रा अध्यायां रै नामां रौ सही क्रम है -(पैली सूं आखरी)

A. माखण
B. ब्याव
C. होळी
D. रुकमणी जी
E. पूजा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, D, C, E
2. B, A, C, E, D
3. E, A, B, C, D
4. A, C, D, E, B

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

131 43081

'राधा' काव्य रा अध्यायां रै नामां रौ सही क्रम है - (पैली सूं आखरी)

A. रूसणौ
B. विजोग
C. पालणौ
D. मुरली
E. तिरस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, E, D
2. B, C, D, E, A
3. C, D, A, E, B
4. D, E, A, B, C

'राधा' काव्य रा अध्यायां रै नामां रौ सही क्रम है - (पैली सूं आखरी)

A. रूसणौ
B. विजोग
C. पालणौ
D. मुरली
E. तिरस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, E, D
2. B, C, D, E, A
3. C, D, A, E, B
4. D, E, A, B, C

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

132 43082

नीचै लिखी रचनावां मांय सूं क्रमशः गद्यगीत, कहाणी, एकांकी, रेखाचित्र अर निबंध रौ सही क्रम कुणसौ है -

A. पूरण पुरुष क्रिसण
B. धरती कद तांई घुमैली
C. राममिलाई जोड़ी
D. मोगराकळी
E. सरदार रंगा रो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. C, D, E, A, B
3. B, C, D, E, A
4. D, B, C, E, A

नीचै लिखी रचनावां मांय सूं क्रमशः गद्यगीत, कहाणी, एकांकी, रेखाचित्र अर निबंध रौ सही क्रम कुणसौ है -

A. पूरण पुरुष क्रिसण
B. धरती कद तांई घुमैली
C. राममिलाई जोड़ी
D. मोगराकळी
E. सरदार रंगा रो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D, E
2. C, D, E, A, B
3. B, C, D, E, A
4. D, B, C, E, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

133 43083 नीचै लिख्या ग्हैणां रौ सही क्रम है - (अेडी सूं चोटी तांई)

A. फोलरी
B. रखड़ी
C. झेला
D. अरसी
E. कांटा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. A, D, C, E, B
3. C, E, A, B, D
4. B, C, D, E, A

नीचै लिख्या ग्हैणां रौ सही क्रम है - (अेडी सूं चोटी तांई)

A. फोलरी
B. रखड़ी
C. झेला
D. अरसी
E. कांटा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. A, D, C, E, B
3. C, E, A, B, D
4. B, C, D, E, A

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 43084

नीचै लिख्या म्हीनां रा नामां रौ सही क्रम है - (आखरी सूं पैली)

A. आसोज
B. आषाढ़
C. पोस
D. भादवो
E. फागण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. E, C, A, D, B
3. C, A, B, D, E
4. B, C, D, E, A

नीचै लिख्या म्हीनां रा नामां रौ सही क्रम है - (आखरी सूं पैली)

A. आसोज
B. आषाढ़
C. पोस
D. भादवो
E. फागण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, D, E
2. E, C, A, D, B
3. C, A, B, D, E
4. B, C, D, E, A

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

135 43085

नीचे लिख्या तिंवारां रौ चैत सूं फागण मास तांईं रौ सही क्रम है -

A. भाई दूज
B. बडी तीज
C. आखा तीज
D. शिवरात्रि
E. दसरावौ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. C, B, E, A, D
2. A, B, E, C, D
3. B, C, A, D, E
4. E, C, D, B, A

नीचे लिख्या तिंवारां रौ चैत सूं फागण मास तांईं रौ सही क्रम है -

A. भाई दूज
B. बडी तीज
C. आखा तीज
D. शिवरात्रि
E. दसरावौ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. C, B, E, A, D
2. A, B, E, C, D
3. B, C, A, D, E
4. E, C, D, B, A

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

136 43086

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: कहाणी अतीत रै बोध सूं कदेई मुगत नीं होय सकैला। वो उणरी मरजाद है,उणरी सगती है अर उणरी कमजोरी ई वो ई है।

कारण R: ओ अतीत रौ बोध फगत बयान नीं होवै वो तो उण अतीत रै मिस आपरै वरतमान सूं रूबरू, होवण री अेक आफळ होवै, जकी आपरी ओळूं र गळियां में बैय जावै अर उणरै मिस आपरै वरतमान नैं सैंचन्नण करै।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: कहाणी अतीत रै बोध सूं कदेई मुगत नीं होय सकैला। वो उणरी मरजाद है,उणरी सगती है अर उणरी कमजोरी ई वो ई है।

कारण R: ओ अतीत रौ बोध फगत बयान नीं होवै वो तो उण अतीत रै मिस आपरै वरतमान सूं रूबरू, होवण री अेक आफळ होवै, जकी आपरी ओळूं र गळियां में बैय जावै अर उणरै मिस आपरै वरतमान नैं सैंचन्नण करै।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

137 43087

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : साहित्य री धरती माथै भासा रौ सूड़ कर सबदां रा बीज तोपीजै जणै सिरजण रा सुइया फूटै।

कथन II : अनुभव अर ज्ञान रै खाद-पाणी सूं रचना-बेलड़ी पसरै, पछै मीठा फल पाकै अर समाज नैं तिरपत करै।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. कथन I अर II दोनों सही हैं
2. कथन I अर II दोनों गलत हैं
3. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : साहित्य री धरती माथै भासा रौ सूड़ कर सबदां रा बीज तोपीजे जणै सिरजण रा सुइया फूटे।

कथन II : अनुभव अर ज्ञान रै खाद-पाणी सूं रचना-बेलड़ी पसरै, पछै मीठा फल पाकै अर समाज नैं तिरपत करै।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. कथन I अर II दोनों सही हैं
2. कथन I अर II दोनों गलत हैं
3. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

138 43088 नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: लोक-साहित्य नैं जाणणियां लोग पोसाळां में भण्यां बिना ई ज्ञानी हुय जावै।

कारण R: लोक-साहित्य ज्ञान रौ भंडार हुवै, जकौ मानखे नैं भलै-बुरै री पिछाण करावतां जीवण जीणै रौ ओपतौ ढंग सिखावै।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: लोक-साहित्य नैं जाणणियां लोग पोसाळां में भण्यां बिना ई ज्ञानी हुय जावै।

कारण R: लोक-साहित्य ज्ञान रौ भंडार हुवै, जकौ मानखे नैं भलै-बुरै री पिछाण करावतां जीवण जीणै रौ ओपतौ ढंग सिखावै।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

139 43089

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : राजस्थान री पवित्र संस्कृति अर उजळौ आदर्श जे संसार में अमर राखणौ है तो राजस्थानी भासा नैं सींचणी नै पोखणी जरूरी है।

कथन II : राजस्थानी भासा रै पोखण सारु आम जन रै सैयोग री दरकार नीं है, औ काम फगत साहित्यकारां रै जिम्मै ई रैवणौ चाईजे।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. कथन I अर II दोनों सही हैं।
2. कथन I अर II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : राजस्थान री पवित्र संस्कृति अर उजळौ आदर्श जे संसार में अमर राखणौ है तो राजस्थानी भासा नैं सींचणी नै पोखणी जरूरी है।

कथन II : राजस्थानी भासा रै पोखण सारु आम जन रै सैयोग री दरकार नीं है, औ काम फगत साहित्यकारां रै जिम्मै ई रैवणौ चाईजे।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. कथन I अर II दोनों सही हैं।
2. कथन I अर II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

140 43090

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: राजस्थान वास्तै बिरखा जीवण-आधार मानीजै। अठै रा लोग बिरखा रौ स्वागत नूवीं बीनणी दाईं करै पण अठै बिरखा कदै-कदै ई आवै।

कारण R: बिरखा कम होवण रै कारण अठै रै लोगां रौ बिरखा संबंधी ज्ञान बहोत कमजोर है।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Asssertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में है

अभिकथन A: राजस्थान वास्तै बिरखा जीवण-आधार मानीजै। अठै रा लोग बिरखा रौ स्वागत नूवीं बीनणी दाईं करै पण अठै बिरखा कदै-कदै ई आवै।

कारण R: बिरखा कम होवण रै कारण अठै रै लोगां रौ बिरखा संबंधी ज्ञान बहोत कमजोर है।

उपरोक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

141 43091

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजे। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

इण अवतरण रौ ओपतौ सिरै नाम है -

1. भासा रौ भरम
2. काव्य रौ करम
3. काव्य री पारख
4. भासा री पारख

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

इण अवतरण रौ ओपतौ सिरै नाम है -

1. भासा रौ भरम
2. काव्य रौ करम
3. काव्य री पारख
4. भासा री पारख

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

142 43092

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

काव्य रौ डील कहीजै -

1. छंद
2. अलंकार
3. बोली
4. भासा

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

काव्य रौ डील कहीजै -

1. छंद
2. अलंकार
3. बोली
4. भासा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 43093

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

पतझड़ आपरै सागै कांई लावै -

1. बहार
2. सरदी
3. गरमी
4. मावठ

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

पतझड़ आपरै सागै कांई लावै -

1. बहार
2. सरदी
3. गरमी
4. मावठ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

144 43094

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित है, जिण मांय -

1. चार मेळ हुवै
2. पंच मेळ हुवै
3. छह मेळ हुवै
4. सात मेळ हुवै

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित है, जिण मांय -

1. चार मेळ हुवै
2. पंच मेळ हुवै
3. छह मेळ हुवै
4. सात मेळ हुवै

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 43095

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रौ डील कहीजै। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रौ पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

काव्य रै कोतल घोड़ै पर लगाम-सी ओपै -

1. पतझड़
2. पंचाम्रित
3. कूंपळां
4. तुक

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

भासा काव्य रो डील कहीजे। मरियल डील में मस्त जीव कियां रमै। मस्त भासा में ही मस्त ख्याल ओपै। भासा सारद री प्रसादी रो पंचाम्रित जिण में पंचमेळ हुवै। विचारां नैं सुगबुगाणै री खिमता, प्रेरणा री गंगा रो उछाळ, साज-सिंगार, आखरां रो चुणाव, उणां रौ उतार-चढ़ाव इण पांचवां रै मेळ सूं पंचाम्रित बणै। परसाद चाखणियां पंचाम्रित रौ ओज-तेज खो देवै। आखरां रौ फाळ अेक जुग रौ उतरै अर दूजै जुग री नवीं कूंपळा फूटै। पतझड़ आपरै सागै बहार लावै। जो भासा कंठां सूं उतर जावै, बा मर जावै। आज रौ जमानो बेतुकी मुक्त छंद री बात करै। पण तुक खोटा आखरां रा मेळ सूं ही खटकै। काव्य रै कोतल घोड़ै पर तुक लगाम-सी ओपै, उणरी चाल नैं ठिम्मरपणौ बगसै।

काव्य रै कोतल घोड़ै पर लगाम-सी ओपै -

1. पतझड़
2. पंचाम्रित
3. कूंपळां
4. तुक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

146 43096

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्‌घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियो, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वे डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

इण अवतरण रौ ओपतौ सिरै नाम है -

1. डिंगळ-काव्य
2. राष्ट्रीय-काव्य
3. कीरत-काव्य
4. लोक-संस्कृति

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है के भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है के वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

इण अवतरण रो ओपतौ सिरै नाम है -

1. डिंगळ-काव्य
2. राष्ट्रीय-काव्य
3. कीरत-काव्य
4. लोक-संस्कृति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 43097

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है के भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है के वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

अंग्रेज-सत्ता रै खिलाफ देस में आजादी री अलख जगावणवाळौ पैलो कवि है -

1. महाकवि सूर्यमल्ल मीसण
2. कविराजा बांकीदास
3. जनकवि रेवतदान
4. संतकवि ईसरदास

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

अंग्रेज-सत्ता रै खिलाफ देस में आजादी री अलख जगावणवाळौ पैलौ कवि है -

1. महाकवि सूर्यमल्ल मीसण
2. कविराजा बांकीदास
3. जनकवि रेवतदान
4. संतकवि ईसरदास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148 43098

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

कविराजा बांकीदास 'चेतावणी रो गीत' कद लिख्यौ -

1. 1825 ई.
2. 1820 ई.
3. 1805 ई.
4. 1857 ई.

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

कविराजा बांकीदास 'चेतावणी रो गीत' कद लिख्यौ -

1. 1825 ई.
2. 1820 ई.
3. 1805 ई.
4. 1857 ई.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

149 43099

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

"मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है"-

1. समाज रौ प्रबल पख
2. इतिहास रौ प्रबल पख
3. डिंगळ रौ प्रबल पख
4. संस्कृति रौ प्रबल पख

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है के भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

"मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है"-

1. समाज रौ प्रबल पख
2. इतिहास रौ प्रबल पख
3. डिंगळ रौ प्रबल पख
4. संस्कृति रौ प्रबल पख

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150 43100

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है के भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियौ, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

आज री युवा पीढी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू किण री दरकार है -

1. इतियास नैं समझण री
2. समाज नैं समझण री
3. धरम नैं समझण री
4. डिंगळ काव्य नैं समझण री

नीचै लिख्योड़ै अवतरण नैं ध्यान सूं पढता थकां वीं सूं जुड़ियोड़ा सवालां सारू दियोड़ा विकल्पां मांय सूं सही विकल्प चुणौ -

डिंगळ साहित्य जीवण अर जनता रो साहित्य है। ओ साहित्य जनता रै हियै मांय चेतना अर स्वतंत्रता रो संख फूंकण वाळो साहित्य है। ओ अेक गीरबैजोग इतिहास तथ है कै भारत में अंग्रेजी सत्ता रै विरुद्ध राष्ट्रीय जागरण रो सबसूं पैलो उद्‌घोष राजस्थान रै आं चारण कवियां करियो, जकां मांय कविराजा बांकीदास रो नाम सिरै गिणीजै। कविराजा बांकीदास 1857 री क्रांति सूं 52 साल पैली 1805 ई.सन् में 'चेतावणी रो गीत 'लिख' र राजस्थान रा राजावां नैं कड़ी फटकार लगाई। उत्कृष्ट रो अभिनंदन अर निकृष्ट रो निंदन राजस्थान री लोक-संस्कृति रो प्रबल पख रैयो है। अठै मरजादा रो मंडण अर पाखंड रो खंडण करण री परापरी रीत है। राजस्थान रो ओ डिंगळ-काव्य राष्ट्रीय-गौरव रो काव्य है। आज री युवा पीढ़ी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू ओ जरूरी है कै वै डिंगळ काव्य नैं नूवी दीठ सूं समझै।

आज री युवा पीढी नैं आपरै अंजसजोग इतियास नैं समझण सारू किण री दरकार है -

1. इतियास नैं समझण री
2. समाज नैं समझण री
3. धरम नैं समझण री
4. डिंगळ काव्य नैं समझण री

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4